

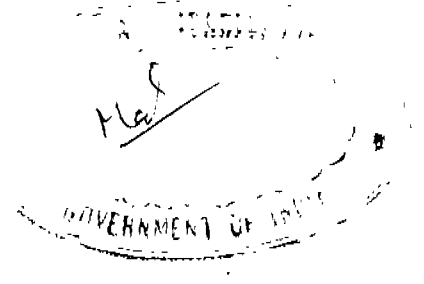


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 732]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 30, 1999/अग्रहायण 9, 1921

No. 732]

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 30, 1999/AGRAHAYANA 9, 1921

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूँजी बाजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1999

का. आ. 1198(अ).—भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए प्रतिभूति के रूप में आई.सी.आई.सी.आई., लिमिटेड, मुम्बई द्वारा जारी किए जाने वाले छह सौ करोड़ रुपये से अनधिक के कुल मूल्य के डिबेंचर की प्रकृति के, जिन्हें निम्नलिखित रूप में वर्णित किया गया है :

1. गिल्ट रेट एनस बाण्ड;
2. इनकैश बाण्ड;
3. टैक्स सेविंग बाण्ड;
4. रैग्यूलर इन्कम बाण्ड;
5. मनी मल्टीप्लायर बाण्ड,

अप्रतभूत मोचनीय बाण्ड (आई.सी.आई.सी.आई.—सेफ्टी बाण्ड—नवम्बर, 1999) प्राधिकृत करती है।

[फा. सं. 6/22/सी.एम./99]

डा. जे. भगवती, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Economic Affairs)****(CAPITAL MARKET DIVISION)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 30th November, 1999

S.O. 1198(E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the Unsecured Redeemable Bonds (ICICI—Safety Bonds—November 1999) in the nature of debentures described as—

1. Gilt Rate Plus Bonds;
2. Encash Bond;
3. Tax Saving Bond;
4. Regular Income Bond;
5. Money Multiplier Bond.

of the total aggregate value not exceeding rupees six hundred crores only to be issued by the ICICI Limited, Mumbai, as a security for the purpose of the said section.

[F. No. 6/22/CM/99]

Dr. J. BHAGWATI, Jt. Secy.